अध्याय -12

सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद

सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन केन्द्र की स्थापना 1992 में उत्तर प्रदेश के गांगेय मैदानों, उत्तरी बिहार और मध्य प्रदेश के विन्ध्य क्षेत्र में सामाजिक वानिकी एवं पारि-पुनर्स्थापन के क्षेत्र में व्यावसायिक दक्षता के परिष्कार और पोषण के उद्देश्य से की गई। केन्द्र के उत्तरदायित्व में शामिल हैं- निम्नीकृत पारितंत्रों का पुनर्वास; सामाजिक फार्म और कृषि वानिकी में अनुसंधान और प्रदर्शन; बीज उत्पादन क्षेत्रों की पहचान और विकास; गुणवत्ता रोपण स्टॉक का उत्पादन और वन प्रजातियों के लिए रोपण तकनीकों का मानकीकरण क्षेत्र की उत्पादकता वृद्धि के लिए जैव उर्वरकों पर अनुसंधान तथा विभिन्न लक्ष्य समूहों में विकसित प्रौद्योगिकी का विस्तार।

1998-99 के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं :

कोई नहीं।

1998-99 के दौरान जारी पुरानी परियोजनाएं :

परियोजना 1 :

(यू०एन०डी०पी०) गांवों की गरीबी में कमी लाना और सामाजिक आर्थिक उत्थान।

उद्देश्य :

वनीकरण द्वारा उत्पादकता बढ़ाकर गांवों का सामाजिक आर्थिक उत्थान।

उपलब्धियां :

चयनित गांवों के किसानों में उपयुक्त बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों का वितरण किया गया। रोपण विधि ओर प्रबन्धन के संबंध में लक्ष्य समूहों यथा- किसानों, अध्यापकों, महिलाओं, फॉरेस्टर्स, गैर सरकारी संगठन आदि के लिए प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चयनित दस गांवों यथा- झांलवा, पीपलगांव, मन्दारी, असरौली, अकबरपुर, सलाहापुर, लोधीपुर, लालगंज, बरीयारी, अम्बेडकर गांव और कादिलपुर के किसानों में कुल 4,042 पौधों का वितरण किया गया।

परियोजना 2 :

(विश्व बैंक परियोजना) बंजर भूमि और कृषि वानिकी विकास।

उद्देश्य :

(क) बंजर भूमि स्थलों के विकास के लिए प्रभावी वनीकरण मॉडल की स्थापना।

(ख) लोगों की सहभागिता द्वारा फसल स्थापना के वैद्यानिक प्रशासनिक, सामाजिक और नीतिगत पहलुओं की जांच करना।

उपलब्धियां :

हान्डिया तहसील, इलाहाबाद जिले में उपरडहा गांवों में उर्वरक और पलवार की विभिन्न मात्राओं के साथ जलाक्रान्त स्थलों के अन्तर्गत विभिन्न प्रजातियों के लिए विभिन्न मॉडलों ओर वृद्धि पैरामीटरों का परीक्षण किया जा रहा है।

परियोजना 3 :

(विश्व बैंक) पर्यावरणीय पुनर्वास विन्ध्य पहाड़ियां और गांगेय मैदान।

उद्देश्य :

स्थल विशेष प्रवाह के सामन्जस्य में निम्नीकृत स्थलों के पुनर्वास के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकीय पैकेज का विकास करना।

उपलब्धियां :

पहचान किए गए निम्नीकृत स्थलों यथा- लवण प्रभावित भूमियां (पावरी), उपान्त कृषि भूमि (काजू), नमी दबाव स्थल (ओल्ड कैण्ट) और खनित क्षेत्रों (शंकरगढ़) के सामाजिक-आर्थिक स्तरों के मूल्यांकन के लिए प्रयोग में लाए गए पी आर ए ने गांवों के कमजोर सामाजिक आर्थिक स्तर, या तो ब्लॉक में अथवा छितराय पैटर्न में निम्नीकृत वृक्ष आच्छादन, जो उनकी जैव मात्रा सम्बन्धित आवश्यकताओं को पूरा करने में अपर्याप्त हैं, और इस प्रकार छोटे और विखण्डित भू स्वामित्वों के कारण क्षेत्र की निम्न उत्पादकता, ईधन, चारा और प्रकाष्ठ की मांग और आपूर्ति में अन्तराल तथा ग्रामीणों की अपनी निम्नीकृत भूमियों में बहुउद्देशीय वृक्ष प्रजातियों के रोपण करने में इच्छा को उद्घाटित किया। उत्तरजीविता दर और वृद्धि पैरामीटरों को अभिलिखित किया जा रहा है।

परियोजना 4 :

(विश्व बैंक) पारितंत्रों की उत्पादकता।

उद्देश्य :

(क) रोपणों/वन में पादप वृद्धि और उत्पादकता का मूल्यांकन करने के लिए विश्वसनीय विधि का विकास करना।

(ख) विभिन्न स्थलों में पादप वृद्धि पर जैव उर्वरकों विशेषकर माइकोराइजा के प्रभाव का निर्धारण करना।

उपलब्धियां :

जैव उर्वरकों यथा- वी. ए. एम.-I, वी. ए. एम.-II, राइजोबियम, एजोटोबेक्टर और पी. एस. एम. की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए पात्र प्रयोग किए गए।

परियोजना 5 :

(विश्व बैंक) रोपण स्टॉक सुधार कार्यक्रम।

उद्देश्य :

बीज उत्पादन क्षेत्रो का विकास, क्लोनीय बीजोद्यान और पौध बीज उत्पादन क्षेत्रों की स्थापना।

उपलब्धियां :

सर्वेक्षण के बाद 70 हैक्टेयर क्षेत्र का चयन किया गया। डैल्बर्जिया सिस्सू के 60 हैक्टेयर क्षेत्र में गणना कार्य किया गया। वृक्षों पर निशान लगाए जा रहे है। छंटाई प्रगति पर है।

उत्तर प्रदेश वन विभाग के साल क्षेत्र हल्द्वानी के वन संवर्धनिक के साथ सहयोग करके गंगापुर पाटिया, लालकुंवा, हल्द्वानी में 3 हैक्टेयर क्लोनीय बीज उद्यान स्थापित किए गए। डैल्बर्जिया सिस्सू के विभिन्न कैन्डिडेट धन वृक्षों से एकत्रित क्लोनों (30) को वन संवर्धन साल, हल्द्वानी की पौधशाला में लगाया गया।

परियोजना 6 :

(नाबार्ड)- विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकीय क्षेत्र के लिए कृषि वानिकी मॉडलों का विकास।

उद्देश्य :

इलाहाबाद के विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकीय क्षेत्र के लिए उपयुक्त वन संवर्धन-कृषि, वन संवर्धन-औद्यानिकी और वन संवर्धन-चरागाही मॉडलों का विकास करना।

उपलब्धियां :

परियोजना के अन्तर्गत, तीन सूक्ष्म जल संभरों यथा-भरेथा, बम्रौली और भागवतपुर का चयन किया गया। इस साल किसानों के खेतों में वन संवर्धन-कृषि, वन संवर्धन-औद्यानिकी मॉडलों को विकसित करने के लिए 52,224 पादपों का रोपण किया गया। विभिन्न मॉडलों के वृद्धि आंकड़े अभिलिखित किए गए। किसानों को जैव उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। नमी संरक्षण और वर्षा जल संचयन उपायों के तहत किसानों के खेतों में जैव उर्वरकों के उष्मायन का प्रदर्शन किया गया। विभिन्न सूक्ष्म जल संभरों में परिधीय पुश्ते स्थापित किए गए। नियंत्रण बांध/अभियांत्रिक संरचनाएं, कन्टूर खाइयां और कायिक बाड़ों के विकास के लिए सर्वेक्षण किया गया।

1998-99 के दौरान शुरू की गई नयी परियोजनाएं :

कोई नही।

विस्तार :

प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण

यू०एन०डी०पी० परियोजना के अन्तर्गत, अम्बेडकर गांव, लालगंज भरियारी और झालवा में प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में 400 लोगों ने भाग लिया। इसके अलावा, अगस्त 1998 में बीज प्रौद्योगिकी में वन विभाग कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम भी उपयोजित किए गए, जिसमें 35 कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

यू०एन०डी०पी० के अन्तर्गत प्रदर्शन रोपण

बरहा गांव, जबलपुर में हल्दी के साथ बांस का रोपण

प्रशिक्षणार्थियों के समक्ष पौधशाला के बीजों की बुआई के लिए
क्यारी निर्माता (बेड मेकर) का प्रदर्शन

BLACK

वित्तीय विवरण

I योजना			
क्र.सं.		उप-शीर्ष	व्यय (रू० लाख में)
1.	क	राजस्व व्यय	
		(i) अनुसंधान	42.23
		(ii) प्रशासनिक सहायता	-
		राजस्व व्यय 'क' का योग	42.23
	ख	ऋण और अग्रिम	
		(i) ऋण अग्रिम (वाहन)	-
		(ii) गृह निर्माण अग्रिम	-
		'ख' का योग	42.23
	ग	पूंजीगत व्यय	
		(i) भवन व सड़के	-
		(ii) उपकरण, पुस्तकालय पुस्तकें	0.25
		(iii) वाहन	-
		'ग' का योग	0.25
		क+ख+ग (योजना) का कुल योग	42.48

II गैर- योजना			
क्र.सं.		उप-शीर्ष	व्यय (रू० लाख में)
1.	क	राजस्व व्यय	
		(i) अनुसंधान	-
		(ii) प्रशासनिक सहायता (वेतन)	-
		गैर-योजना का कुल योग	-
		योजना+गैर-योजना का योग	42.48

III निर्धारित परियोजना			
क्र.सं.		उप-शीर्ष	व्यय (रू० लाख में)
1.	क.	विश्व बैंक परियोजना	21.50
	ख.	यू०एन०डी०पी० परियोजना	0.53
	ग.	नाबार्ड परियोजना	4.93
	घ.	एफ ओ आर टी आई पी	-
		(क+ख+ग+घ) निर्धारित परियोजना का कुल योग	26.96